



धमाका डिस्टार्ट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

नपा अध्यक्ष कक्ष में हुई पीआईसी की बैठक,19 प्रसात्व पर की गई चर्चा

नीमच (महेन्द्र उपाध्याय)। नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौड़ा की आद्यक्षता में मंगलवार को बंद कमरे में पीआईसी की बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में 19 प्रसात्व रखे गए लेकिन कितने प्रस्ताव पर चर्चा हुई, क्या सहमति बनी और कितने प्रस्ताव पारित हुए इस पर नगर पालिका अध्यक्ष और सभापति कोई भी स्पष्ट और संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।बताया जा रहा है कि पीआईसी की बंद कमरे में हुई बैठक में कुछ भी सामान्य नहीं रहा। प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक में शहर हित और विकास से जुड़े 19 विषयों पर चर्चा होनी थी। लेकिन फिर एक बार बैठक का कोई फलदाई परिणाम नहीं निकल पाया। कितने प्रस्तावों पर सहमति बनी, इस बारे में कोई जवाब देने को तैयार नहीं है।इस बैठक में सभी सभापति शामिल हुए।परंतु राजस्व सभापति वंदना खंडेलवाल संगठन की वक्तुअल बैठक के चलते बैठक शुरू होने से पहले ही चली गई। जानकारी में यह भी सामने आया है कि इस बैठक के 19 प्रस्ताव में विषय क्रमांक 4 और 19 को लेकर पहले ही निर्देश मिल चुके थे।और विषय क्रमांक नौ पर भी काफी बहस कक्ष में हुई है। 15, 16, 17 और 18 पर भी बवाल होने की जानकारी मिली

मार्च के पहले सप्ताह में बजट प्रस्तुत कर सकती है मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल। मार्च के पहले सप्ताह में राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विधानसभा में बजट प्रस्तुत कर सकती है। बजट सत्र ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के कारण फरवरी के अंतिम सप्ताह या फिर मार्च के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होगा। इसकी तिथि मुख्यमंत्री मोहन यादव के जापान दौरे (27 जनवरी से एक फरवरी) से पहले निर्धारित कर दी जाएगी ताकि राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अनुमति से विधानसभा सचिवालय अधिसूचना जारी कर सके। संसदीय कार्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बजट सत्र की अवधि निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया है।

शेष पेज नं. 4 पर...

तेरापंथ जैन समाज के प्रधान आचार्य महाश्रमण की सुशिष्याओं का मिलन हुआ



जावद। सोमवार को तेरापंथ अधिशास्ता युगप्रधान आचार्य महाश्रमण की सुशिष्याएं तीन साध्वी सिंघाड़ों का जावद में मिलन हुआ। तेरापंथ समाजजनों ने बताया कि नीमच से सोमवार को साध्वी उज्ज्वलप्रभा मसा ठाणा 4 का मंगल प्रवेश हुआ वे नीमच से विहार कर जावद पहुंचे। बतादे कि

पूर्व में जावद तेरापंथ भवन कैलाश गली मे साध्वी उर्मिलाकुमारी मसा ठाणा 4, साध्वी रचनाकुमारी मसा ठाणा 4 विराजमान है, जिनके आशीर्वाचन प्रतिदिन सभा भवन मे हो रहे है ।

सोमवार को तेरापंथ जैन समाज की साध्वीयों के तीन सिंघाड़ो सहित 12 साध्वियों का

मिलन जावद के इतिहास पहली बार हुआ है। नीमच रोड़ पर तेरापंथ समाजजनों ने अभिनंदन किया व जावद नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुऐ कैलाश गली स्थित तेरापंथ भवन पहुंचे जहां पर मंगलगीत गाकर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे समाजजन उपस्थित थे।

श्री रामानंदचार्य जन्मोत्सव के अवसर पर वैष्णव बैरागी समाज द्वारा निकाले चल समारोह का मोजू चौराहे पर पुष्प वर्षा से हुआ भव्य स्वागत

नीमच । वैष्णव बैरागी समाज के आराध्य देव श्री रामानंदचार्य जी के जन्मोत्सव के अवसर पर वैष्णव बैरागी समाज जनों के द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों से निकाले गए भव्य चल समारोह में डिजे व डोल की थाप के थिरकते हुवे महिलाएं मातृशक्तियो एवं समाज जनों पर वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ संबंध भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों और समाज सेवीयो ने पुष्प वर्षा कर रथ में सवार आराध्य देव श्री रामानंद चार्य जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर वरिष्ठ जनों का किया भव्य स्वागत।

इस अवसर पर वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ संबंध



भारतीय मजदूर संघ के जिला महामंत्री चंद्रशेखर जायसवार, समाज सेवी चंद्रप्रकाश (मोमु) लालवानी, जिला उपाध्यक्ष दुर्गा शंकर दंशाणा, सचिव मोहन

यादव, कल्याण कमलमय समर्थक समिति के जिला अध्यक्ष समरथ राठौर, सहसचिव जयराम दसानी, अक्कू राठौर आदि उपस्थित रहे ।

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

नायका वली कार्नर तक फोर जीरो के पीछे डामरीकरण निर्माण कार्य की न्यूनतम दर 1.60 प्रतिशत कमी मैसर्स के.आर. एसोसिएट नीमच की तथा कार्य पर कुल व्यय राशि रुपये 17,36,716.00 की वित्तीय स्वीकृति बाबत।वार्ड नं 03 आजाद मार्ग पर आरसीसी नाली निर्माण कार्य की न्यूनतम दर 7.77 प्रतिशत की मैसर्स विक्की इंटरप्राइजेस नीमच की तथा कार्य पर कुल व्यय राशि रुपये7,40,818.00 वित्तीय स्वीकृति बाबत।वार्ड नं 18 खारी कुएं से अम्बेडकर कालोनी तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य की न्यूनतम दर 20.00 प्रतिशत कमी मै. बम्बोरिया कन्स्ट्रक्शन की तथा कार्य पर कुल व्यय राशि रुपए 14,97,468.00 की वित्तीय स्वीकृति बाबत।वार्ड नं 09 बरूखेडा भरभड़िया मार्ग पर अंधरे पड़े नाले का निर्माण कार्य की न्यूनतम दर 10. प्रतिशत कमी मै.अन्नपूर्णा एण्ड कंपनी नीमच की तथा कार्य पर कुल व्यय राशि रुपये 8,802.00 की वित्तीय स्वीकृति बाबत।वार्ड नं. 09 तिरूपति नगर तक सीसी रोड कार्य की न्यूनतम दर 23.55 प्रतिशत धर्मेन्द्र शर्मा ग्वालीयर की तथा कार्य पर कुल व्यय राशि रुपये 29,55,973.00 की वित्तीय स्वीकृति बाबत।वार्ड नं

29 विकास नगर 14/ 4 गगरानी के मकान से जयधिर के मकान तक सी.सी. रोड की न्यूनतम दर 23.55 प्रतिशत कम मै. धर्मेन्द्र शर्मा ग्वालीयर की तथा कार्य पर कुल राशि रुपये 21,84,520.00 की वित्तीय स्वीकृति बाबत।

वार्ड नं. 08 झाली बाई किलोरीया फार्म हाउस से त्रिमुर्ति नगर तक सी.सी. रोड कार्य की न्यूनतम दर 23.55 प्रतिशत कम मै. धर्मेन्द्र शर्मा ग्वालीयर की तथा कार्य पर कुल व्यय राशि रुपए 29,54,821,00 की वित्तीय स्वीकृति बाबत।बर्थ कन्ट्रोल कार्यक्रम हेतु 15 सदस्यों की मॉनिटिंग कमेटी गठन समिति का मोदन करने की स्वीकृति बाबत।धनश्याम नागदा को सेवानिवृत्त उपरान्त पुनः निश्चित मानदेय पर अस्थायी रूप से कार्य रखने की स्वीकृति बाबत। प्रकरण शामिल किए गए थे।

लावारिस अवस्था में मिला नवजात का बालिका का शव

नीमच 21 जनवरी (निप्र)। मंगलवार की सुबह शहर के बघाना से ग्राम लेवड़ा मार्ग पर सड़क किनारे एक नवजात बच्ची का शव मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। इसके साथ ही मृत नवजात की मां की तलाश करने पुलिस आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना बघाना अंतर्गत मंगलवार सुबह नवजात बच्ची का शव मिला। लेवड़ा मार्ग स्थित पंजाबी तड़का ढाबे के पास सड़क किनारे का शव की सूचना पर पुलिस मौके



पता लगाने का प्रयास कर रही है।

अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा परिवहन करते गिरफ्तार

नीमच । जिले में अवैध मादक पदार्थ परिवहन करने वालों की धड़पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत जीरन थाना प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार यादव के नेतृत्व मे दिनांक 21.01.2025 को मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुई पुलिस सहायता केन्द्र के समाने हकियाखाल फंटा फोरलेन हाईवे रोड़ पीकप क्रमांक आरजे 14 जिके 5412 से लोहे की अलमारियों के पिछे छिपाकर ले जाते 23 प्लास्टीक के कट्टो में 460 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा मय वजन के किमती 51 लाख रुपये को जप्त कर पीकप



चालक अनिल पिता मनोहर लाल प्रजापत उम्र 32 साल निवासी पुलिस चौकी के पीछे साददी रोड बघाना थाना बघाना जिला नीमच को गिरफ्तार किया गया। आरोपी

जप्त डोडाचूरा के संबंध में पुछताछ करते जतशुधा डोडाचूरा नरेंद्र पिता शिवलाल सेन निवासी जावी से लाना बताया है। प्रकरण में नरेंद्र सेन को भी आरोपी बनाया गया है।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

22 जनवरी 2025

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

वर्ष - 02, अंक - 38 - मूल्य 02 रूपए

फर्जी डिग्री से नौकरी पाने वाले 129 पीटीआई शिक्षक बर्खास्त, शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

जयपुर 21 जनवरी (एजेंसी)। राजस्थान में फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी पाने वाले शारीरिक शिक्षक (PTI) भर्ती घोटाले में बड़ा कदम उठाया गया है। जांच में दोषी पाए गए 129 पीटीआई शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया है। इन शिक्षकों पर आरोप था कि उन्होंने अपनी डिग्री और अन्य दस्तावेज फर्जी पेश कर सरकारी नौकरी हासिल की। शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए इनकी सेवाएं समाप्त कर दीं।

फर्जी दस्तावेजों से नौकरी का खुलासा- साल 2022 में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 5546 पीटीआई पदों पर भर्ती आयोजित की गई थी। इस प्रक्रिया में 12वीं पास होने के साथ शारीरिक शिक्षा में प्रमाण पत्र या डिप्लोमा अनिवार्य था। हालांकि, जांच के दौरान कई चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज संदिग्ध पाए गए। शिक्षा विभाग ने 244 अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर उनके दस्तावेजों की गहन जांच करवाई।

16 महीने की नौकरी के बाद कार्रवाई- जांच कमेटी की रिपोर्ट में सामने आया कि 244 में से 129 अभ्यर्थियों के दस्तावेज फर्जी थे। ये शिक्षक पिछले 16 महीने से सरकारी स्कूलों में नौकरी कर वेतन प्राप्त कर रहे थे। अब विभाग ने 129 पीटीआई शिक्षकों को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है।

धौलपुर जिले में भी 12 शिक्षकों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल करने के आरोप में बर्खास्त किया गया है। **फर्जीवाड़े का पैमाना बढ़ा, अन्य मामलों की जांच जारी**

धौलपुर जिले में भी 12 शिक्षकों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल करने के आरोप में बर्खास्त किया गया है।

फर्जीवाड़े पर सरकार का सख्त रुख- राज्य सरकार ने फर्जी तरीके से नौकरी पाने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। शिक्षा विभाग ने इस कार्रवाई को पारदर्शिता और नियमों के पालन का नौकरी हासिल करने के आरोप में बर्खास्त किया गया है।

- PTI भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 8वीं पास अभ्यर्थियों ने भी नौकरी हासिल कर ली थी, जबकि भर्ती में 12वीं पास होने की अनिवार्यता थी। 321 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों में विसंगतियां पाई गईं, जिन्हें अक्टूबर 2024 में नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था।

फर्जीवाड़े पर सरकार का सख्त रुख- राज्य सरकार ने फर्जी तरीके से नौकरी पाने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। शिक्षा विभाग ने इस कार्रवाई को पारदर्शिता और नियमों के पालन का नौकरी हासिल करने के आरोप में बर्खास्त किया गया है।

फर्जीवाड़े का पैमाना बढ़ा, अन्य मामलों की जांच जारी

पर पहुंची और शव जिला चिकित्सालय लाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि नवजात बच्ची की उम्र लगभग 4-5 दिन की है। अनुमान लगाया जा रहा है कि मंगलवार सुबह करीब 5 बजे किसी ने बच्ची के शव को सड़क किनारे छोड़ा होगा। जिला अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ सहित अन्य डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया। सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल ने मीडिया को बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविकता सामने आ सकेगी। बघाना थाना पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज देख कर नवजात की मां का

आज अहीर यूनिवर्सल व फेंड्स यूनियन के बीच अंतिम क्वार्टर फाइनल

नीमच । नगरपालिका परिषद् नीमच द्वारा नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में जिला फुटबाल संघ के सहयोग से राजेन्द्रप्रसाद स्टेडियम नीमच पर 12 जनवरी से प्रारंभ हुई गणतंत्र दिवस फुटबाल स्पर्धा के अंतर्गत 22 जनवरी को स्पर्धा का अंतिम क्वार्टर फायनल मैच दोपहर 3 बजे अहीर यूनिवर्सल व फ्रेंड्स यूनियन के बीच खेला जाएगा।



ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना लागू



5 लाख रूपए प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार



आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे -

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध



ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच-6262778282

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत



प्रहलाद सबानी

भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है।

कि सी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार



अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दशाती है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी

जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में

58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई पी एफ ओ) से भी जुड़े हैं।

यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद तक सुधार होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में यदि उक्त उपाय नहीं किया जाते हैं तो बहुत सम्भव है कि यह मध्यमवर्गीय परिवार एक बार पुनः वहाँ गरीबी रेखा के नीचे नहीं खिसक जाय। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।

संपादकीय

चुनौती है बड़ी

डार्क वेब, क्रिप्टोकॉर्सेसी और ड्रोन देश के लिए चुनौती बने हुए हैं, और इनको लेकर सख्त कदम उठाने होंगे। नई दिल्ली में 'मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्र मादक पदार्थ की तस्करी देशके अंदर या बाहर कतई नहीं होने देगा। कहा कि सरकार ने न केवल मादक पदार्थों के कई नेटवर्क को खत्म करने में सफलता पाई है, बल्कि उनसे जुड़े. आतंकवाद को भी नेस्तानाबूद किया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश में नाकी-आतंकवाद के कईमामलों का भंडाफोड़. किया गया है और ये बड़ी उपलब्धियां हैं।

बेशक, केंद्र और राज्य सरकार की कानून प्रवर्तन एजेंसियां चाक-चौबंदी से नशे के काले का धंधे पर जोरदार प्रहार कर रही हैं, लेकिन यह भी सच है कि डार्क वेब, क्रिप्टोकॉर्सेसी, ऑनलाइन मार्केटप्लेस, ड्रोन का इस्तेमाल आज भी हमारे लिए चुनौती बने हुए हैं। डार्क वेब इंटरनेट के उस गुप्त हिस्से को संदर्भित करता है, जिस तक केवल विशेष सॉफ्टवेयर और टूल के जरिएही पहुंचा जा सकता है। जहां तक क्रिप्टोकॉर्सेसी की बात है,

यह एक आभासी मुद्रा है, जो भारत में नियमित नहीं है। इसके जरिए लेन देन पर निगरानी रखने में एजेंसियों को खासी दिक्कत दरंशण रहती हैं।अलबत्ता, ड्रोन के जरिए सीमा पार से भारतीय सीमा में नशीले पदार्थ में ड्रॉप किए जाने के तरीके पर खासी हद तक लगाम कसमें भारतीय सुरक्षा बल सफल हुए हैं। बहरहाल, नशीले पदार्थों की तस्करी संबंधी कार्यकलाप देश की सुरक्षा और विकास के लिएखाया खतरा हैं और राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और तकनीशियनों को अपने संयुक्त प्रयासों से इन चुनौतियों से पार पाना होगा। इसके लिए तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जाना जरूरी है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि सरकार के स्तर पर इच्छाशक्ति होना बेहद जरूरी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को नईताकत मिली है। इसी का नतीजा है कि बीते दस वर्षों में मादक पदार्थ की जन्वी में सात गुना वृद्धि हुई है, और मोदी सरकार ने बारंबार संकल्प दोहराया है कि मादक पदार्थ के सूचके तंत्र को उखाड़ा फेंकेगे। इसके लिए 8 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के तस्करी पर कड़ा निगरानी रखी जा रही है। प्रयासों के नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि नशामुक्त भारत अभियान में तेजी लाई जाए। नशे के व्यसन से मुक्त समाज ही सबसे बड़ा सुरक्षा उपाय है।

चितन-मनन

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की र्भत्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। 'मै ह' ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। 'मै ह' का भाव ही अहंकार है लेकिन जब 'मै ह' भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भगवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बुढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।



रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोड़कर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। यहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं। मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा



गिरीश चन्द्र पाण्डे

इस बार 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन 8-10 जनवरी, 2025 तक ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में किया गया। भुवनेश्वर में संपन्न इस 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 75 देशों से लगभग छह हजार भारतवर्षियों ने शिरकत की। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने इस मौके पर लैंगिक समानता और महिला विकास को भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अभिन्न अंग बताया। उनका यह कहना भी सही था कि ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मेजबानी केंद्र सरकार की 'पूर्वोदय' नीति को दशर्ती शर्ती है, जो पूर्वी भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अभिन्न अंग बताया। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे 9 जनवरी को महात्मा गांधी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सागर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। सुन्दरलन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष श्रद्धालु मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होंने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरूप कपिलमुनी का जन्म हुआ

जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सागर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सागर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सागर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भ्रम कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सागर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि गंगा जल से ही राजा सागर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भ्रम स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है। गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक और बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है।

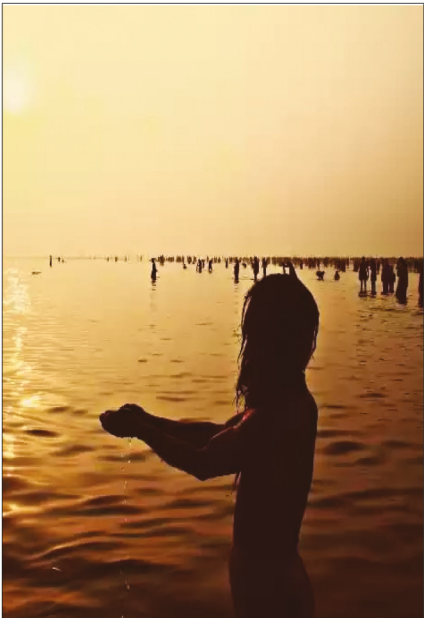
गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण इलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व

प्रवासी सम्मेलन: कई मायनों में रहा अहम

दरअसल, प्रवासी भारतीय सम्मेलन की अवधारणा पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मरितफ्फ की उपज थी जिसकी शुरू आत उन्होंने 17 वर्ष पहले की थी। वाजपेयी को उस वक्त प्रवासी भारतीयों की बहुत याद आई जब 1998 में पोखरण में परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से अनुरोध किया कि वह भारत की मदद करें ताकि भारत को अमेरिका और उसके साथी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का कम से कम असर पड़े। वाजपेयी का यह संदेश राजदूतावासों और उच्चायोग के माध्यम से प्रवासी भारतीयों तक पहुंचाया गया। परमाणु यह हुआ कि भारत के कोष विदेश मुद्रा से भर गए। गौर करने योग्य है कि भारत 2010 (53.48 बिलियन डॉलर), 2015 (68.91 बिलियन डॉलर) और 2020 (83.15 बिलियन डॉलर) में प्रेषण प्राप्त करने वाला शीर्ष देश था। विश्व प्रवासन रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भारत को 111 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रेषण प्राप्त हुआ जो विश्व में सबसे अधिक है और इस प्रकार भारत 100 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला पहला देश बन गया था। इस बार के सम्मेलन का विषय था- 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान'। राज्य सरकार ने युवा कार्य एवं खेलकूद मंत्रालय के सहयोग से आयोजन किया था। सम्मेलन की खास बात त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रपति क्रिस्टीनन काल्द कैंगलू की मौजूदगी रही जिन्होंने सम्मेलन में

मुख्य अतिथि के तौर पर वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में अन्य बातों के साथ-साथ तीन महत्वपूर्ण बातें कहीं। पहली, भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में निहित है। दूसरी, भारत लोकतंत्र की जननी ही नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। तीसरी, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की निर्णायक भूमिका है। भारत की विभिन्न क्षेत्रों में चहुंमुखी विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए मोदी का कहना था कि आज भारत मेड इन इंडिया फाइटर जेट बना रहा है। ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहा है और वो दिन भी दूर नहीं जब मेन इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाते भारत आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने समापन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान भी प्रदान किया। सऊदी अरब के भारतीय चिकित्सक डॉ. सैयद अनवर खुशींद को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।

यह भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। निरसिंह प्रवासी भारतीय सम्मेलन से जहां भारत और प्रवासी समुदाय के बीच साझा पहचान को बढ़ावा मिलता है, वहीं उनमें आपसी सम्बन्ध मजबूत बनते हैं, और वे अपनी माटी से जुड़ कर गौरव अनुभव भी करते हैं, लेकिन इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास जरूरी हैं। किसी भी तरह



धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सड़क बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कनुबेरिया तक आ सकेंगे। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिए। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।



श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान करने की जरूरत है। यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि भारतीय कामगारों के लिए सुरक्षित-व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। सरकार के अलावा हर भारतीय का भी नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके। फिलहाल जो हालात हैं, उनमें वैश्विक श्रम की गतिशीलता भारत की आर्थिक कूटनीति की प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत के हितों की रक्षा की जानी चाहिए जहां संरक्षणवाद तेजी से बढ़ रहा है।



आमिर खान करेंगे फिल्म लवयापा का ट्रेलर लॉन्च

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले दो नए चेहरे जुनैद खान और खुशी कपूर हैं, जिन्होंने पिछले साल ही अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वे अब अपनी आने वाली फिल्म लवयापा के लिए चर्चा में हैं, जिसे 2025 में रिलीज किया जाना है। यह फिल्म अपनी घोषणा और फिल्मांकन शुरू होने के बाद से ही चर्चा में है। पिछले हफ्ते फिल्म का पहला गाना बिना किसी आधिकारिक पोस्टर, टीजर या ट्रेलर के रिलीज किया गया था। अब, निर्माताओं ने पहला ट्रेलर रिलीज करने का फैसला किया है और इसे कोई और नहीं, बल्कि जुनैद के पिता सुपरस्टार आमिर खान लॉन्च करेंगे।

जुनैद खान और खुशी कपूर की आने वाली फिल्म लवयापा का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसके टाइटल ट्रैक को कई बॉलीवुड सितारों ने भी सराहा था। वहीं, सोशल मीडिया पर भी फैंस ने ट्रैक पर प्यार लुटाया था। पहले गाने को मिली तारीफ के बाद अब इस फिल्म से और भी ज्यादा उम्मीदें बढ़ गई हैं। खास बात यह है कि आमिर खान इस हफ्ते इसका ट्रेलर लॉन्च करने वाले हैं।

इस दिन होगा ट्रेलर लॉन्च

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माता अब ट्रेलर लॉन्च के लिए तैयार हैं और आमिर खान ने इसे रिलीज करने के लिए हामी भर दी है। हालांकि जगह और समय के बारे में और जानकारी अभी घोषित नहीं की गई है। बताया गया है कि लवयापा के टाइटल ट्रैक की सफल रिलीज के बाद ट्रेलर अब लॉन्च के लिए तैयार है। आमिर खान 10 जनवरी, 2025 को इसका अनावरण करेंगे। लॉन्च के बारे में अतिरिक्त जानकारी का खुलासा होना अभी बाकी है।

आमिर ने की खुशी की तारीफ

अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में जुनैद खान, खुशी कपूर और अन्य कलाकार हैं। हाल ही में आमिर खान ने फिल्म में खुशी कपूर के अभिनय की तारीफ की। उन्होंने कहा था कि जब मैंने फिल्म देखी और खुशी को देखा तो मुझे लगा कि मैं श्रीदेवी को देख रहा हूँ। उनकी ऊर्जा और मौजूदगी ने मुझे उनकी मां की याद दिला दी। मैं श्रीदेवी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ और हमेशा से उनके साथ काम करना चाहता था। वह एक असाधारण कलाकार थीं, जो कैमरा चालू होने पर जीवंत हो उठती थीं। खुशी के अभिनय में भी वही चमक साफ झलकती है।



गोट में काम करने के बाद डिप्रेशन में क्यों चली गई थीं मीनाक्षी? अभिनेत्री ने खोला राज

साल 2024 में मीनाक्षी चौधरी ने छह फिल्मों में काम किया था। नए साल पर वह अब संक्रांतिकी वस्त्रधन नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता वेंकटेश के साथ नजर आएंगी। इसका निर्देशन अनिल रविपुडी ने किया है।

मीनाक्षी ने खोला राज

हाल ही में एक इंटरव्यू में मीनाक्षी ने अपने जीवन के एक कठिन दौर के बारे में बताया। उन्होंने साझा किया कि पिछले साल विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की रिलीज के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के लिए कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इस आलोचना के वह एक हफ्ते तक

डिप्रेशन में चली गई थीं। लकी भास्कर में हुई काम की तारीफ मीनाक्षी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि लकी भास्कर जैसी तेलुगू ब्लॉकबस्टर की सफलता के बाद उन्हें ढेर सारी सराहना मिली। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि आने वाले समय में सही प्रोजेक्ट्स का चुनाव कितना महत्वपूर्ण है।

जल्द इन फिल्मों में आएंगी नजर

अभी हाल ही में उन्होंने नवीन पॉलीशेड्री के साथ अननगना ओका राजू नाम की फिल्म को साइन की है। फिलहाल, मीनाक्षी अपनी आगामी फिल्म संक्रांतिकी वस्त्रधन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 14 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी।

जैकी श्रॉफ ने अलग-अलग किरदार निभाने के बारे में खुलकर की बात

भारतीय सिनेमा के सबसे मशहूर और सम्मानित अभिनेताओं में से एक जैकी श्रॉफ ने दशकों तक एक शानदार करियर बनाया है। अपनी पूरी फिल्मोग्राफी में, दिग्गज स्टार ने कभी भी अलग-अलग किरदार निभाने और अपने हुनर को समृद्ध बनाने से परहेज नहीं किया। चाहे मुख्य युवा, दोस्त, गुरुसैल युवक या ग्रे रोल निभाना हो, जैकी श्रॉफ ने खुद को एक बहुमुखी पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में, बेबी जॉन अभिनेता ने विभिन्न किरदार निभाने के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे वह फिल्म निर्माताओं को अपने किरदारों के इर्द-गिर्द एक छवि बनाने देते हैं। इस बारे में बात करते हुए जैकी श्रॉफ ने कहा, मैं एक खुली किताब हूँ और काम करता रहता हूँ। मैं एक अभिनेता हूँ; मैं नए किरदारों की खोज करता रहता हूँ, चाहे वह बेबी जॉन हो या कोई और फिल्म। मैं खुद को निर्देशक की दृष्टि और कैमरामैन और

तकनीशियनों की क्षमता पर छोड़ देता हूँ।

अपनी सहजता और जीवंत व्यक्तित्व के लिए जाने जाने वाले जैकी श्रॉफ ने सिंघम अगेन और बेबी जॉन में ग्रे किरदारों के अपने चित्रण से दर्शकों को चौंका दिया। अभिनेता ने न केवल खतरनाक खलनायकों की भूमिकाएँ बहुत सहजता से निभाईं, बल्कि यादगार किरदार भी निभाए। अपनी प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति, प्रभावशाली संवादों और दर्शकों को रोमांच के रोलरकोस्टर पर ले जाने की क्षमता से जैकी श्रॉफ ने अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। लेकिन, दिग्गज अभिनेता के लिए यह सब कुछ नहीं है! जैकी श्रॉफ अपनी आगामी कॉमिक कैप्टन हाउसफुल 5 के साथ लोगों को गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य के साथ एक हास्य भूमिका में नजर आएंगे।



बेबी जॉन के बाद जी2 में नजर आएंगी वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ फिल्म बेबी जॉन में अभिनय के बाद अब वामिका गब्बी जी2 में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग यूरोप में पूरी हो चुकी है। इस फिल्म में वामिका के साथ अदिति शेष और इमरान हाशमी नजर आएंगे।

अभिनेत्री वामिका गब्बी, जिन्हें हाल ही में वरुण धवन के साथ एक्शन फिल्म बेबी जॉन में देखा गया था, वह अब विनय कुमार सिरिगिनीदी द्वारा निर्देशित आगामी जासूसी थ्रिलर जी2 में नजर आएंगी। फिल्म जी2 अदिवी द्वारा लिखित और अभिनीत 2018 की हिट जासूसी थ्रिलर गुडाचारी का सीकल है। वामिका जासूसी थ्रिलर फैंचाइजी की इस अगली किस्त में इमरान हाशमी और अदिति शेष के साथ नजर आएंगी। वामिका गब्बी ने फिल्म जी2 में अपनी उपस्थिति को जताते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में वामिका और अदिवी नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, स्पाई, एक्शन एडवेंचर जी2...अपनी अगली फिल्म की जानकारी शेयर करते हुए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूँ। मैं अब बेहतरीन को-एक्टर अदिवी शेष के साथ काम करने वाली हूँ...इमरान सर से भी होगी सेंट पर मुलाकात... वामिका को प्राइम वीडियो सीरीज जुबली, नेटपिलक्स फिल्म खुफिया और सोनीलिव सीरीज वाली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। बहरहाल, वामिका ने वरुण धवन और कीर्ति सुरेश की फिल्म बेबी जॉन की रिलीज के दौरान जमकर सुर्खियां बटोरी थीं।

वामिका के साथ अदिति शेष का भी होगा अहम रोल

अदिति शेष और वामिका गब्बी के अलावा इस फिल्म में इमरान हाशमी, मुरली शर्मा, सुप्रिया यार्लागुडा और मधु शालिनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। एवारू और मेजर जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले अदिति शेष पहली बार वामिका के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के अलावा अदिवी के पास एक्शन ड्रामा डकैत भी है। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। यह शेनिल देव की निर्देशन में पहली फिल्म है। यह एक गुरुसैल अपराधी की कहानी है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेने का प्लान बनाता है जिसने उसे धोखा दिया था।



फिर कानूनी मुसीबत में फंसी नयनतारा, कॉपीराइट मसले पर चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भेजा नोटिस

लेडी सुपरस्टार नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा-बियोन्ड द फेयरी टेल जब से रिलीज हुई है, अभिनेत्री कानूनी मुसीबत में घिरी हैं। यह डॉक्यूमेंट्री बीते वर्ष नवंबर में नेटपिलक्स पर रिलीज हुई। इसके बाद अभिनेता धनुष ने नयनतारा को कानूनी नोटिस भेजा। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में धनुष के प्रोडक्शन की फिल्म नानम राउडी धान के कुछ सेकेंड के बीटीएस फुटेज शामिल किए गए। धनुष ने बिना अनुमति फिल्म का कंटेंट इस्तेमाल करने को लेकर अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजकर 10 करोड़ रुपये की मांग की। नयनतारा ने सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। अब डॉक्यूमेंट्री पर एक नया विवाद सामने आया है।

चंद्रमुखी के निर्माताओं ने की पांच करोड़ रुपये की मांग

धनुष ने नयनतारा उनके पति व निर्देशक विमेश शिवन और नेटपिलक्स के खिलाफ मुकदमा किया था। अब नयनतारा की सुपरहिट फिल्म चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भी अभिनेत्री व नेटपिलक्स को नोटिस भेजा है। आरोप है कि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में चंद्रमुखी की विलप का इस्तेमाल किया गया है। निर्माताओं ने नयनतारा और नेटपिलक्स को कानूनी नोटिस भेजकर फिल्म के कंटेंट के बगैर अनुमति इस्तेमाल के लिए पांच करोड़ रुपये की मांग की है।

नयनतारा की प्रतिक्रिया का इंतजार

अपनी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज के बाद नयनतारा के सामने लगातार कानूनी चुनौतियां आ रही हैं। धनुष के कानूनी नोटिस भेजने के बाद नयनतारा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया था कि धनुष ने कथित कॉपीराइट उल्लंघन के लिए 10 करोड़ रुपये की मांग की। अब चंद्रमुखी के मेकर्स ने जब नोटिस भेजा है तो अभिनेत्री के फैंस और इंडस्ट्री को इंतजार है कि इस मसले पर नयनतारा कब चुपकी तोड़ती हैं।

साउथ से बॉलीवुड तक

नयनतारा का जलवा

नयनतारा साउथ की चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखाया है। शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया और छा गईं। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री की बात करें तो यह 18 नवंबर को नेटपिलक्स पर रिलीज हुई थी। नयनतारा के निजी जीवन की बात करें तो साल 2022 में उन्होंने विमेश शिवन से शादी रवाई। कपल के जुड़वा बच्चे-यूझर और उलगम हैं।



राजकुमार ने कंगना रनौत को बताया सबसे बड़ी स्टार

कंगना रनौत बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी बात बेबाकी से रखती हैं और कभी भी अपनी बात कहने से नहीं कतराती हैं। कभी-कभी यह बात उनके बॉलीवुड के साथियों को पसंद नहीं आती। राजकुमार राव ने नेहा धूपिया के साथ अपने पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने बॉलीवुड की सबसे बड़ी स्टार कंगना के साथ काम किया है।

जब राजकुमार ने कंगना को बताया था स्टार एक इंटरव्यू के दौरान जब नेहा धूपिया ने राजकुमार से पूछा कि उन्होंने किस सबसे बड़ी स्टार के साथ काम किया है, तो बिना किसी देरी के राजकुमार ने कंगना का नाम लिया। नेहा ने सहमति में हसते हुए इसे एक अच्छा जवाब बताया और अपनी सोने की उंगुटिया उन्हें देने लगीं। इस पर राजकुमार बोले-मुझे इसकी जरूरत नहीं है। नेहा और राजकुमार के बीच यह बातचीत सोशल मीडिया पर फिर से सामने

आई है, जब इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ है। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री कंगना रनौत ने क्वीन और जजमेंटल है क्या जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। कंगना-राजकुमार की आने वाली फिल्म कंगना रनौत जल्द ही इमरजेंसी में नजर आएंगी और आज ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। नए ट्रेलर में 1975 के उथल-पुथल भरे दिनों की राजनीतिक बिसात को दिखाया गया है। इस फिल्म में कंगना इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपदे, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी के अलावा कई अभिनेता नजर आएंगे। राजकुमार राव की बात करें तो उन्हें आखिरी बार विकी और विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था। इस कॉमेडी फिल्म में राजकुमार के साथ तृषि डिमरी नजर आई थीं। इससे पहले राजकुमार स्त्री 2 में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही। इस फिल्म में राजकुमार के साथ श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना नजर आए थे।

कन्नप्पा में मां पार्वती के रूप में नजर आई काजल अग्रवाल

फिल्म कन्नप्पा से साउथ अभिनेत्री काजल का लुक जारी हुआ है। फिल्म के इस पोस्टर में काजल माता पार्वती के रूप में नजर आ रही हैं। काजल ने अपने लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और लिखा, ड्रीम रोल, जिसकी जरूरत थी, 2025 की ऐसी शुरुआत से खुश हूँ... कन्नप्पा, हर हर महादेव, मां पार्वती। मां पार्वती के रूप में काजल बेहद सौम्य और शांत मुद्रा में दिखाई दे रही है। कन्नप्पा इस साल 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। तेलुगु में शूट की गई कन्नप्पा को तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में डब किया जाएगा।



कलेक्टर ने की जनसुनवाई -114 आवेदकों की सुनी समस्याएं

दिव्यांग लालीबाई को 7 दिवस में ट्रायसाईकल प्रदान करने के दिए निर्देश

नीमच 21 जनवरी (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 114 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रीती संघवी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में आई ग्वालटोली की दिव्यांग लालीबाई के आवेदन पर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने संबंधित अधिकारी को ट्रायसाईकल 7 दिवस में प्रदान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में चैनपुरा के मदनलाल, खडावदा के कालूसिंह



राजपुत, सावन के प्रीतम माली, गिदौडा के भरतसिंह, डिकेन के तुलसीराम, कुम्हारा गली नीमच के सलीम खान, बोरदियाकलां की अनुराधा, बांसखेडा के कंवरलाल मेघवाल, झूलावदा

के रामनारायण गुर्जर, रावणरूणडी नीमच सिटी की श्यामाबाई, खानखेडी के बापूलाल, फोफलिया की चम्पाबाई, जावी के रामनिवास राठौर, गोठड़ा की समदाबाई, जमुनिया कलां के गोपाल गायरी,

रेवली-देवली के कंवरलाल नागदा, सुवाखेडा के वल्लभराम पाटीदार, पुरात पिपलिया के बंशीलाल, नेवड़ की श्रीमती मंजु त्रिवेदी आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

डाईट विद्यार्थियों से कलेक्टर ने की मुलाकात



नीमच 21 जनवरी (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने डाईट नीमच के विद्यार्थियों से भेंट कर, चर्चा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यार्थियों कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आए लोगों की समस्याओं को जाना एवं उनके आवेदन को भरने में सहायता की।

अतिथि विद्वानों को हटाया जाएगा, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शिक्षकों की अधिकता

भोपाल। प्रदेश भर के अधिकतर प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में प्राध्यापकों की अधिकता हो गई है। अब वहां पहले से काम कर रहे अतिथि विद्वानों को वहां से हटाने की तैयारी हो रही है। उन्हें हटाकर दूसरे महाविद्यालयों में भेजा जाना है। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

प्रदेश भर में 52 महाविद्यालयों इस सत्र में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस घोषित कर दिया गया। इस योजना के तहत इन महाविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण माहौल देने के लिए सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। इसी के तहत यहां रिक्त पदों पर दूसरे सामान्य महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को लाकर भर्ती किया गया। इसके लिए विभागीय स्तर पर आवेदन और साक्षात्कार हुए थे। इस प्रक्रिया की वजह से उन महाविद्यालयों में शिक्षकों की संख्या पर्याप्त हो गई। ऐसे में उन 500 अतिथि विद्वानों के पास कोई काम नहीं बचा जो पिछले कई वर्षों से वहां पढ़ा रहे थे। इनमें से कई अतिथि विद्वान अपने गृह क्षेत्र से 200-300 किलोमीटर दूर के महाविद्यालयों में काम कर रहे हैं। उन्हें 20 से 25 जनवरी के बीच अपनी रुचि के महाविद्यालय का विकल्प चुनना होगा। 28

जनवरी तक उन्हें नए महाविद्यालयों का आवंटन कर दिया जाएगा। ऐसा होने के बाद उन्हें 31 जनवरी तक कार्यभार ग्रहण कर पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। दूसरे अतिथि विद्वान भी मांग रहे मौका - इस व्यवस्था के लापरवाही हो विरोध भी होने लगा है। सामान्य और स्वशासी महाविद्यालयों के अतिथि विद्वान भी इस तरह का मौका मांगने लगे हैं।

उनका कहना है कि सभी अतिथि विद्वानों की स्थिति एक जैसी है। ऐसे में सबको समान अवसर मिलना चाहिए। प्रदेश भर में 4500 अतिथि विद्वान हैं। साक्षात्कार में शामिल नहीं होने वाले शिक्षकों को हटाया जाएगा- प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस व स्वशासी कालेजों में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापकों को नए सत्र से आवेदन और साक्षात्कार के बाद पदस्थ किया था। उन महाविद्यालयों में पहले से पढ़ा रहे ऐसे नियमित प्राध्यापक जिन्होंने इस प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया वे भी अब हटाए जाएंगे। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में वही अध्यापन करेगा जो विभाग की तय प्रक्रिया को पूरा करके आया है।

राजस्व वसूली शिविर आज ओखा बावजी मंदिर के पास चंद्रपुरा मंदसौर में लगेगा

मन्दसौर । नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतिश चावला राजस्व एवं बाजार समिति की प्रभारी श्रीमती कौशल्या बंधवार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए वार्ड वार संपत्ति शिविर का आयोजन

किया जा रहा है जिसके तहत दिनांक 22 जनवरी 2025 बुधवार को वार्ड क्रमांक 26 स्थान- ओखा बावजी मंदिर के पास चंद्रपुरा में शिविर लगाया जाएगा । अतः उक्त वार्ड के समस्त करदाताओं से अपील की जाती है कि शिविर में आकर अपने भवन भूखंड दुकान इत्यादि का टैक्स जमा कराकर नगर विकास में अपना सहयोग प्रदान करें ।

ग्वालटोली का सेमी फायनल में प्रवेश



नीमच । नगरपालिका परिषद नीमच द्वारा नया अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में जिला फुटबाल संघ के सहयोग से राजेन्द्रप्रसाद स्टेडियम नीमच पर 12 जनवरी से प्रारंभ हुई गणतंत्र दिवस फुटबाल स्पर्धा के अंतर्गत 21 जनवरी को स्पर्धा का तीसरा क्वार्टर फायनल मैच ग्वालटोली व

यंगमेन के बीच खेला गया। जिसमें ग्वालटोली की टीम ने 6-1 से विजयश्री हॉसिल कर सेमी फायनल में प्रवेश किया। ग्वालटोली की ओर से दीपेन्द्र दीवान ने 2, अमित पटेल ने 2, अभिषेक पटेल ने 1 व गगन ने 1 गोल कर टीम को विजयश्री दिलाई वहीं यंगमेन की ओर से एकमात्र गोल तोफीक अब्बासी ने किया।

कोटवारों ने भत्ते को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नीमच 21 जनवरी (निप्र)। नीमच में मंगलवार को मध्य प्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के सदस्यों ने कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कोटवारों की मुख्य मांग थी कि वर्दी की राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाए, जैसा पहले होता था।

कोटवारों का कहना है कि पूर्व में जब वर्दी भत्ता उनके खातों में जमा होता था, तो वे अपनी पसंद और नाप के अनुसार वर्दी सिलवा लेते थे। लेकिन इस बार प्रशासन सिली-सिलाई



वर्दी देने की बात कर रहा है, जिससे वर्दी की फिटिंग और गुणवत्ता को लेकर चिंताएं हैं।प्रदर्शन में नीमच, जावद, मनासा, जीरन, रामपुरा और सिंगोली तहसील के विभिन्न गांवों के

कोटवार शामिल हुए। उन्होंने नारेबाजी के साथ अपनी मांगों का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। अधिकारियों ने इस मामले में नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भारतीय सुभाष सेना कल मनायेगी नेताजी सुभाषजी की जयन्ती

नीमच। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 129वीं जन्म जयन्ती कल 23 जनवरी 2025, गुरुवार को प्रातः 10.30 बजे फव्वारा चैक, सुभाष वाटिका में भारतीय सुभाष सेना नीमच द्वारा मनाई जावेगी। समारोह के मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रकाशचन्द्र



शर्मा, सेवानिवृत्त व्याख्याता, केन्द्रीय विद्यालय नीमच एवं विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता श्रीमती प्रियंका कविश्वर (लेखिका) अध्यक्ष पालक महासंघ (महिला विंग) जिला इकाई

नीमच होगी। यह जानकारी संस्था सचिव रमेश मोरे ने दी।

एमएसएमई के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए रैम्प योजना के तहत नीमच में कार्यशाला का आयोजन

नीमच 21 जनवरी (निप्र)। जिले के सूक्ष्म, लघु ए एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य से रेंजिंग एंड एक्सलेंसिटींग एमएसएमई परफॉर्मंस (रैम्प) योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आयुष भवन सभागृह कलेक्टर कार्यालय परिसर नीमच में किया गया। इस कार्यशाला में जिले के विभिन्न उद्योग संघों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (जेड) योजना, लीन मैनुफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धात्मकता योजना (एलएमसीएस), और बौद्धिक संपदा अधिकार

(आईपीआर) के प्रति जागरूकता फैलाना था। भारतीय गुणवत्ता परिषद के विशेषज्ञ वी.पी. शर्मा ने योजना के लाभों और क्रियान्वयन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि जेड सर्टिफिकेशन प्राप्त करने से उद्योगों की गुणवत्ता और पर्यावरणीय प्रभाव में सुधार होगा। उन्होंने स्थानीय उद्यमियों से जेड सर्टिफाइड बनने का आग्रह किया और इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी भी साझा की। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के विशेषज्ञ सरोज जेना ने लीन मैनुफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धात्मकता योजना (एलएमसीएस) पर एक विशेष सत्र संचालन किया।

उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से एमएसएमई अपने उत्पादन की दक्षता को बढ़ा सकते हैं और लागत को कम कर सकते हैं। उन्होंने इस योजना के तहत प्राप्त होने वाली सरकारी सहायता और सब्सिडी की भी जानकारी दी। कार्यशाला की उपलब्धियां और सहभागिता - इस कार्यशाला में जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र की महाप्रबंधक श्रीमती योगिता भटनागर, लघु उद्योग भारती नीमच इकाई के अध्यक्ष, हर्ष गह्वानी, संयुक्त सचिव मालवा संभाग मलिका प्रभारी लघु उद्योग भारती श्रीमती सीमा मिश्रा, मालवा अंचल लघु उद्योग

भारती के प्रतिनिधि गौरव चौहान, इच्छा प्रतिनिधि मिहिर आनंद की सहभागिता के साथ नीमच जिले के प्रमुख उद्योगपतियों, जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के अधिकारियों, विभिन्न उद्योग संघों और उद्यमियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को एमएसएमई के विकास के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने जेड सर्टिफिकेशन, लीन मैनुफैक्चरिंग और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों पर खुली चर्चा की। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन

नियमित रूप से होना चाहिए, ताकि उद्योग जगत को सरकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी मिल सके और वे अधिक प्रभावी ढंग से इनका लाभ उठा सकें। उद्योग जगत के लिए भविष्य की दिशा - कार्यशाला के अंत में लघु उद्योग भारती नीमच इकाई के सचिव नंदकिशोर पाटीदार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और एमएसएमई के उन्नयन में सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने उद्योगों से आग्रह किया कि वे सरकार की इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने व्यवसाय को नई ऊंचाई पर ले जाएं।

पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में....

वीर अमर शहीद हेमू कालाणी के शहीदी दिवस पर 'पुष्प श्रद्धांजलि सभा' का हुआ, आयोजन

समाजजनों ने अमर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा पर पुष्प- माल्यार्पण कर दिए श्रद्धासुमन व श्रद्धांजलि

नीमच । पूज्य सिंधी पंचायत, नीमच के तत्वावधान में अखंड भारत माता के सपुत एवं सिंध के शेर वीर अमर शहीद 'हेमू कालाणी' द्वारा मां भारती के श्री चरणों में अर्पित किए अपने प्रणों के आत्मबलिदान के 82 वें वर्ष पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सिंधी समाज के गौरव वीर अमर शहीद 'हेमू कालाणी' के प्राणोत्सर्ग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जनवरी 2025, मंगलवार को प्रातः 10 बजे स्थानीय सिन्धी कॉलोनी स्थित शहीद हेमू कालाणी चौराहा पर **'पुष्प श्रद्धांजलि सभा' * का आयोजन किया गया। पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव महेश वर्धानी ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि समस्त समाजजन एवं समाज की समस्त धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सदस्य गण एकता व अखंडता का परिचय देते हुए आयोजित 'पुष्प श्रद्धांजलि सभा' में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर वीर शहीद 'हेमू कालाणी' की प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी



शहादत को याद करते हुए, उनकी वीरता को नमन किया। इस अवसर पर पूर्व मुखी मनोहर अर्जनानी ने वीर अमर शहीद श्री कालाणी की शहादत को नमन कर पुष्प श्रद्धांजलि देते हुए अपने संबोधन में कहा कि, हमें गर्व है कि; हमारे समाज में हेमू कालाणी जैसे वीर अमर शहीद भी हुए हैं। जिन्होंने अपनी 19 वर्ष की छोटी सी उम्र में देश को आजाद करवाने के लिए भारत माता पर हंसते-हंसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यह हम सभी के लिए, समाज के लिए बहुत बड़ी बात

है। हम सभी प्रतिवर्ष शहीद हेमू कालाणी को स्मरण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए यहां इकट्ठी होते हैं। आने वाले समाज के पारंपारिक तीज त्यौहारों को लेकर कहा कि हम सभी संपूर्ण सिंधी समाज मिलजुल कर नव निर्वाचित अध्यक्ष 'मुखी' ईश्वर आहुजा के सानिध्य में आने वाले सभी पारंपरिक चेद्री चण्ड जैसे बड़े तीज त्यौहार और आयोजन भव्यता और हर्षोल्लास से मनाएंगे। उक्त श्रद्धांजलि सभा में मीनू लालवानी, आकांक्षा तलरेजा, लक्ष्मी प्रेमानी, महेश वर्धानी ने

शहीद हेमू कालाणी के जीवन काल पर प्रकाश डालते हुए अपने अपने वक्तव्य व्यक्त किये। कार्यक्रम अंत में पूज्य सिंधी पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुखी ईश्वर आहुजा ने भी अमर शहीद हेमू कालाणी को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उपस्थित सभी को धन्यवाद देते हुए, आभार व्यक्त किया। पुष्प श्रद्धांजलि सभा में सम्पूर्ण सिंधी समाज के सभी संगठन, बड़ी संख्या में समाज की मातृशक्तियां, पुरुष एवं वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन गजेन्द्र चावला ने किया।

सभी विभाग सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें - चंद्रा

कलेक्टर ने समय-सीमा पत्रों के निराकरण संबंधी बैठक में दिए निर्देश



नीमच 21 जनवरी (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ अरविंद डामोर, डिप्टी

कलेक्टर श्रीमती प्रीती संघवी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश, दिए कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण कर सुनिश्चित करें। नगरपालिका के सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे इस माह अपनी सभी शिकायतों का निराकरण करें।

सी.एम.ओ स्वयं भी शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सिविल सर्जन, लोक स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा विभाग, अनुसूचित जनजाति आदि सभी विभाग सी.एम.हेल्पलाईन की सभी शिकायतों का निराकरण करें और जिले को राज्य में प्रथम रैंक पर लाने का हर संभव प्रयास करें।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45980/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)

मो. 940742399, 8770664866